## नवरात्रि विशेषः तुलराधाम में आज भी मां विरासनी माता के दर्शन करने आते हैं शेर

### पुष्पराजगढ के घने जंगलों के बीच पहाड़ में विराजी चतुर्भुजी मां करती हैं मनोकामना पूरी

**अनूपपुर, देशबन्धु।** जिले की ख्याति मां नर्मदा उद्गम मंदिर अमरकंटक के कारण है। नर्मदा, सोन, जोहिला की उदगम नगरी अमरकंटक में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन, पूजन के लिये आते हैं। इसके साथ ही जिले में देवी माता का एक मंदिर ऐसा भी है कि जहां आज भी जंगल के राजा शेर देवी के दर्शनों के लिये आते हैं। पुष्पराजगढ़ के घने जंगलों के बीच स्थित तुलराधाम तक बहुत लोग नहीं पहुंच पाते। लोगों को यहां की जानकारी भी कम है। लेकिन यहां आसपास के हजारों श्रद्धालुगण दर्शन, पूजन के लिये आते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ति के लिये प्रार्थना करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यहां अपनी सात बहनों के साथ विराजित चतुर्भुजी विरासनी माता सच्चे मन से मांगी गयी मनोकामना को अवश्य पूरा करती हैं। विंध्य क्षेत्र में हजारों साल पुरानी ऐसी बहुत सी सुंदर, तेजमयी देवी - देवताओं की प्रतिमाएं पाई जाती हैं। उनमें से एक बहुत सुंदर विरासनी

माता की प्रतिमा पुष्पराजगढ़ के ग्राम तुलरा में स्थापित हैं।

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड के ग्राम तुलरा के तुलरागढ़ में चतुर्भुजी माता विरासनी की प्राचीन मूर्ति स्थापित है। माताजी के साथ सात बहनों की प्रतिमाएं भी यहां विराजित हैं। यहां आने वाले भक्तगण और पुजारी जी के अनुसार माता जी अपने भक्तों की पीड़ा को हर लेती हैं। जिन भक्तों के संतान नहीं है, माता संतान देती हैं। यहां पागल ठीक होते हैं। चैत्र नवरात्रि पर्व पर भक्त ज्योति कलश जलवाते हैं। जवारा भी बोया जाता है। यहां के घने जंगल में शेर के बहुत सारी गुफाएं हैं। माताजी के दर्शन करने के लिए माताजी की सवारी भी यहां आते हैं। जिन्हे हमेशा लोग प्रत्यक्ष रूप से देखते हैं। पहाड़ में जहां सरई, बेल का जंगल में माता के स्थान पर जलप्रपात है। यहां से पानी ले जाकर कर कृषक अपने खेतों का सिंचाई करते हैं।

बताया जाता हैं कि दशकों पहले एक बैगा जनजाति के व्यक्ति को माताजी को स्वप्न दिए कि मैं तुलरा की कुल्हाड़ी नदी में हूं। मुझे आकर के ले चलो। तब बैगा जनजाति का व्यक्ति प्रातः काल उठकर तुलरा नदी में जाकर के मूर्ति को देखा लगा कि यह बहुत भारी है और उठा न पाने के डर से वापस आ गया मॉ पुनः रात्रि में स्वप्न आई और बोली कि मुझे लेकर क्यों नहीं आया तब वह कहता है कि आप बहुत भारी हैं इसलिए मैं आपको नहीं ला पाया। तब मॉ कहती हैं कि तुम मुझे उठाकर देखना मैं आ जाऊंगी। लेकिन जिस स्थान पर रख दोगे, मैं वहां से दोबारा नहीं उठूंगी। एक बार में तुम जहां ले जाना चाहते हो, मैं चली जाऊंगी। वह व्यक्ति नदी में जाकर श्रीफल चढ़ा, पूजा- प्रार्थना कर मूर्ति को सर में उठाकर चलना प्रारंभ किया। जैसे ही वह जंगल में प्रवेश किया, वहां जलप्रपात देख कर व्यक्ति को प्यास लग आई। वह मूर्ति को महुआ की वृक्ष पर रख करके पानी पीने चला गया। जल पीकर के उसने पुनः माताजी को उठाने का प्रयास किया। लेकिन माता जी की प्रतिमा वहां से फिर नहीं उठीं। वह व्यक्ति वहीं पर मां भगवती को प्रणाम करके छोड़ चला जाता है। बहुत दिनों तक लोगों को माताजी की मूर्ति के बारे में नहीं पता था। फिर लोगो को जैसे-जैसे पता चला लोग माता जी के दर्शन करने आने लग गये।

ग्रमीणों ने बताया है कि वर्षों पहले यहां बहुत घना जंगल था। 1997 में वन विभाग के अधिकारियों द्वारा बनारस से विद्वानों को बुलाकर माताजी का मंदिर, राम दरबार का मंदिर, शंकरजी का मंदिर बनवाकर प्रतिमा की प्राणप्रतिष्ठा कर स्थापना कराया। 1997 से यहां प्रधान पुजारी के रुप में सेवा दे रहे उमेश पाठक बताते हैं कि मां बिरासिनी सभी भक्तजनों की मनोकामना पूर्ण करती हैं। स्थानीय लोग क्वांर और चैत्र नवरात्रि में माताजी की नौ दिनों तक पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना करते हैं। अखंड ज्योति जलाई जाती है,जवारे लगाए जाते हैं। भजन, कीर्तन, हवन, भंडारा होता है। यहां मेला भी लगता है। जैसे-जैसे यहां स्थापित माई की ख्याति फैल रही है, यहां आने वाले भक्तों की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है।

## थाना कोतमा में शांति समिति बैठक

**अनूपपुर, देशबन्धु।** थाना कोतमा में आगामी चेट्री चंड़ उत्सव, गुड़ी पड़वा, ईद उल फितर, रामनवमी एवं हनुमान जन्मोत्सव को शांति पूर्ण मनाये जाने हेतु शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया, शांति समिति की बैठक में एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य, तहसीलदार कोतमा ईश्वर प्रधान, नगर पालिकाध्यक्ष अजय सराफ, नगर पालिका सीएमओ प्रदीप झारिया, पूर्व विधायक मनोज अग्रवाल, कोतमा थाना प्रभारी सुन्द्रेश सिंह मरावी एवं उक्त कार्यक्रमों के आयोजक गण, मीडिया बंधु, गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।

बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिको ने पर्वो के दौरान कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु, पर्वो के जुलुस में महिला बल के साथ पुलिस की व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन को सुझाव दिया गया। बैठक में उपस्थित समस्त गणमान्य नागरिको पुलिस एवं प्रशासन द्वारा नगर में शान्ति की परंपरा को बनाये रखते हुए आगामी सभी पर्वो को मिल जुलकर शांति पूर्वक मनाये जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

## सार-समाचार

### जीवन के लिए जल अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक : विधायक बिसाहू लाल

#### अनूपपुर जिले में ग्राम भोलगढ़ से जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ

**अनूपपुर, देशबन्धु।** विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह ने कहा है कि जीवन के लिए जल बहुत ही महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है। जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये सभी नागरिकों को आगे आना होगा। जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के लिए सभी नागरिकों को एकजुट होकर समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता है। तालाबों को सहेजने की आवश्यकता है। सभी को मिलकर प्रयत्न करना होगा कि तालाबों में पानी हमेशा भरा रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पहल पर दूसरी बार जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान पर्यावरण, प्रकृति तथा जल के संरक्षण के लिए महती भूमिका निभा रहा है। विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह जिले के ग्राम पंचायत बरबसपुर अंतर्गत ग्राम भोलगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में विधायक अनूपपुर द्वारा रहीम दास जी के दोहे रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून के माध्यम से जल के महत्व को लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा शुद्ध एवं स्वच्छ जल को घर-घर तक पहुंचाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अभियान भी चलाया जा रहा है। शासन एवं प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान आज अर्थात 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जाएगा। उन्होंने सभी से अभियान में सहभागिता निभाने और जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अपना-अपना योगदान देने का आह्वान भी किया।

**श्रमदान कर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ**

विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह ने ग्राम भोलगढ़ के ससन तालाब में श्रमदान कर जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया तथा जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु लोगों का बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने हेतु अपील भी की।

**जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु दिलाई शपथ**

विधायक अनूपपुर बिसाहू लाल सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ अवसर पर जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शपथ दिलाई तथा जल के उपयोगिता के संबंध में लोगों को जागरुक भी किया।

**जिले में 3739 जल स्त्रोत के संवर्धन के कार्य की स्वीकृति** -अनूपपुर जिले में लगभग 3739 जल स्त्रोत के संवर्धन के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिसके अंतर्गत जनपद अनूपपुर में 696, जनपद जैतहरी में 1205, जनपद कोतमा में 529 एवं जनपद पुष्पराजगढ़ में 1309 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यो में तालाब, कुआं, बावड़ी सहित अन्य जल स्त्रोतों को शामिल किया गया है।

### एसआई राघव बागरी एवं एएसआई अरविंद राय लाइन अटैच

**अनूपपुर, देशबन्धु।** भालूमाड़ा थाना में पदस्थ एसआई राघव बागरी एवं एएसआई अरविंद राय को पुलिस अधीक्षक मोती उर्र रहमान ने लाईन अचैट किया गया है। मामले की जानकारी के अनुसार भालूमाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शिकारपुर में 25 मार्च की रात को मुखबिर की सूचना पर गांजा परिवहन के मामले में आरोपियों को पीछा किया गया था, जहां आरोपी गांजा छोड़कर मौके से फरार हो गया, इस बीच एएसआई अरविंद राय ने गांजा के जब्ती की कार्यवाही नही करते हुए बिना थाना प्रभारी को सूचना लगभग 80 किलो गांजा को ग्राम भाद के किसी गौतम को बेच दिया गया। जिसकी सूचना पर पुलिस अधीक्षक ने एएसआई अरविंद राय को लाईन हाजिर किया गया है,वहीं भालूमाड़ा थाना में पदस्थ एसआई राघव बागरी को पुलिस अधीक्षक ने लाईन हाजिर किया गया है। बताया जा रहा है कि भालूमाड़ा में पदस्थ होते हुए इन पर गश्त के दौरान रेत के अवैध उत्खनन वा परिवहन करने की छूट दी गई थी। दोनो ही मामलों में पुलिस अधीक्षक ने उन्हे लाईन हाजिर कर दिया गया है।

## जल गंगा संवर्धन अभियान : ग्राम बनौली में की कुआंताल जलाशय की सफाई

**पन्ना, देशबन्धु।** शासन के निर्देशानुसार आगामी तीन माह तक संचालित होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आज जिले के विभिन्न स्थानों पर जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया। इस दौरान जागरूकता गतिविधियों के आयोजन के साथ ही जनप्रतिनिधि और अधिकारियों द्वारा आमजनों से अभियान में भागीदारी की अपील की गई।

अभियान अंतर्गत रविवार को जल संसाधन संभाग पन्ना तथा केन-बेतवा संभाग क्रमांक 1 पवई के तत्वाधान में ग्राम बनौली स्थित कुआंताल जलाशय की साफ-सफाई और संरक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों सहित

आमजनों ने भी उत्साहपूर्वक श्रमदान किया। इसके अतिरिक्त अजयगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत देवगांव में जिला पंचायत सदस्य रचनादेवी पटेल एवं सरपंच पुष्पादेवी कोंदर ने ग्रामवासियों की सहभागिता से कलश यात्रा निकाली और जल संरक्षण एवं इसके महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया।

ग्राम पंचायत भसूड़ा में अभियान के शुभारंभ पर ग्रामवासियों के सहयोग से रैली निकाली गई। इसी तरह शाहनगर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत महगवां सरकार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्राचीन तालाब के घाट की सफाई की।

## सिंधु समाज ने भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव पर निकाली शोभायात्रा

**अनूपपुर, देशबन्धु।** सिंधु समाज के नववर्ष की शुरुआत इनके प्रमुख त्योहार(चेटीचंड) आराध्य देवता भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के रूप में मनायां 30 मार्च को जिला मुख्यालय अनूपपुर सहित कोतमा में धूमधाम से मनाया गया। इसे झूलेलाल जयंती के नाम से भी जाना जाता हैं। भगवान झूलेलाल का जन्म सद्भावना और भाईचारा बढ़ाने के लिए हुआ था। सिंधी समाज के लोग सुबह से गुरूद्वारा में भगवान झूलेलाल की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई इसे बाद भण?डारा का आयोजन किया गया। शाम को भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा पूरे शहर में निकाल कर मड़फा तलाब में विसर्जन किया गया।

सिंधी समाज के लोग 30 मार्च की सुबह से गुरूद्वारा में भगवान झूलेलाल की विधि विधान से पूजा अर्चना कर भण?डारे का प्रसाद लोगो को खिलाया। शाम को भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा पूरे शहर में महिला शक्तियों ने डांडिया खेलते हुए भगवान झूलेलाल के भजन गाते निकाले रहें। नगर भ्रमण के दौरान पूरे रास्ते में फूल की पंखुड़ियों से शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद सामतपुर के मड़फा सरोवर मे विसर्जन के बाद कार्यक्रम समाप्त होगा।

**महत्व और कथा**-धार्मिक मान्यता है

कि संत झूलेलाल वरुण देव के अवतार हैं। चेटीचंड के दिन भगवान झूलेलाल की पूजा से सुख, समृद्धि का वरदान मिलता है और व्यापार में कभी कोई रुकावट नहीं आती। उपासक भगवान झूलेलाल को उदेरोलाल, घोड़ेवारों, जिन्दपीर, लालसाँई, पल्लेवारो, ज्योतिनवारो, अमरलाल आदि नामों से भी पूजते हैं।

संवत् 1007 में पाकिस्तान में सिंध प्रदेश के ठट्टा नगर में मिरखशाह नामक एक मुगल सम्राट राज्य करता था. उसने जुल्म करके हिंदू आदि धर्म के लोगों को इस्लाम स्वीकार करने पर मजूबर कर दिया।

उसके आतंक से तंग आकर सभी ने सिंधू नदी के किनारे एकत्रित होकर भगवान का स्मरण किया. भक्तों की कड़ी तपस्या के परिणाम स्वरूप नदी में मछली पर सवार एक अद्भुत आकृति नजर आई और फिर ठीक सात दिन बाद चमत्कारी बालक ने श्रीरतनराय लोहाना के घर जन्म लिया, यही भगवान झूलेलाल कहे गए। कोतमा में भगवान झूलेलाल का प्रकृट्यत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कोतमा नगर में शोभा यात्रा निकल गई। धार्मिक मान्यता अनुसार भगवान झूलेलाल का जन्म, अत्याचारी शासक के जुल्मों से बचाने के लिए उनका जन्म हुआ था सिंधी में चैत्र के महीना को चैत कहा जाता है। जब चैती चैत्र के दौरान जब अमावस्या के बाद पहली बार चंद्रमा दिखाई देता है तो इसे चेटीचंड कहा जाता है।

सिंधी मान्यता अनुसार इसी तिथि पर सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल जी का जन्म भी हुआ था सिंधी समाज के साथ लोग इसे बड़े ही धूमधाम के साथ मानते हैं। इन दिन से सिंधी नव वर्ष की शुरुआत भी मानी जाती है। यह पर्व हर साल चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। कोतमा नगर में सिंधी समाज द्वारा भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा निकली गई। इस दौरान प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल भी शामिल होकर भगवान झूलेलाल का आशीर्वाद लिया। शोभायात्रा के बाद सिंधी धर्मशाला में लंगर का आयोजन किया गया जिसमें नगर के सभी धर्म के लोगों ने बढ़-कर हिस्सा लिया।

## भारत का इतिहास अत्यंत प्राचीन, समृद्ध एवं स्वर्णिम : मंत्री जायसवाल

### अनूपपुर में विक्रमोत्सव सूर्योपासना कार्यक्रम आयोजित

**अनूपपुर, देशबन्धु।** मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि हमारे भारत का इतिहास अत्यंत प्राचीन, समृद्ध एवं स्वर्णिम है। हमारा भारत संस्कार, संस्कृति एवं परंपरा का परिचालक है। हमारे भारत के गौरवपूर्ण इतिहास पर पूरी दुनिया हमेशा ही गर्व करती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विकास के साथ-साथ तीज त्यौहार एवं पर्व मनाने का निर्णय लिया है। आज भारत का नव वर्ष अर्थात विक्रम संवत है, आज के दिन को हम भारतीय संस्कृत में नव वर्ष के रूप में मनाते हैं, विक्रम संवत की शुरुआत अवंती के सुप्रसिद्ध सम्राट विक्रमादित्य द्वारा किया गया था, आज का दिन हिंदू नव वर्ष में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय दिन है। राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल अनूपपुर जिले के एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित विक्रमोदित्य-2025 कोटि सूर्योपासना कार्यक्रम को संबोधित किये।

राज्य मंत्री ने सभी को चैत्र नवरात्रि, चैटीचंद, गुड़ी पड़वा एवं नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज नव वर्ष के साथ-साथ आदिशक्ति जगत जननी मां जगदंबा की आराधना कर अपनी जिम्मेदारियां का पूरे निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करते हुए आगे बढ़े। हमारी संस्कृति विश्व का कल्याण एवं प्राणियों में सद्भावना जैसे विचार रखने वाली वाली संस्कृति है। हमें

इस संस्कृति पर गर्व है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मध्य प्रदेश की धरती पर जहां-जहां पर भगवान श्री राम तथा भगवान श्री कृष्ण के चरण पड़े, वहां-वहां राम पथ गमन एवं श्री कृष्ण पाथेय योजना के अंतर्गत तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किए जाने का बजट पास किया गया है।

महाकाल की नगरी उज्जैन ज्योतिष काल गणना का मुख्य केंद्र रहा है, हमारी सरकार द्वारा उज्जैन में वैदिक घड़ी की स्थापना की है, जो वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर भारत का विक्रम पंचांग, जिसे सर्वश्रेष्ठ कैलेंडर माना गया है के अनुसार समय, नक्षत्र, ग्रह, पूर्णिमा, अमावस्या, सूर्य ग्रहण सहित अन्य जानकारी प्रदान करता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने कहा कि हमारा भारत वैदिक काल से ही संस्कृति सभ्यता और परंपरा का केंद्र रहा है। हमारा भारत ऋषि मुनियों का देश है, आज का दिन सरकार ने हर्षोल्लाह, उत्साह एवं उमंग के साथ मनाने का निर्णय लिया है, यह अत्यंत सराहनीय एवं प्रशंसनीय है। इसी प्रकार कार्यक्रम को जिला संघ चालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजेन्द्र तिवारी ने भी संबोधित करते हुए विक्रम संवत के महत्व व भारतीय संस्कृति के संबंध में विचार रखें।

कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल, कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष पार्वती बाल्मिक राठौर ने ब्रह्म ध्वज का वंदन एवं मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में रंग अनुभव संस्कृत शिक्षा समिति रीवा द्वारा सम्राट विक्रमादित्य नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया गया। इसी प्रकार धर्मवीर भारती द्वारा लिखित नाटक अंधायुग अश्वत्थामा के अंश भाग की प्रस्तुति तथा वैष्णवी द्विवेदी एवं अंशिका मिश्रा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नृत्य की प्रस्तुति दी गई, प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन, मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल एवं जिला प्रशासन अनूपपुर के सहयोग से आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में सीईओं तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय, समाजसेवी प्रेमचंद यादव, लाल बहादुर जयसवाल स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित जिले के सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय महिला, पुरुष, युवा उपस्थित रहे।

## दैनिक राशिफल

सोमवार 31 मार्च 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1946 हिजरी 1445। चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितीया, नक्षत्र-अश्विनी।

**मेष**
आज मन व्याकुल रहेगा और शरीर में आलस्य छाया रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम हो सकता है। काम में सफलता देर से मिलेगी।

**वृषभ**
सरकार विरोधी काम और एक्टिविटी से दूर रहने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम की शुरुआत ना करें। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है।

**मिथुन**
आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

**कर्क**
व्यवसाय स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक वातावरण भी अनुकूल रहेगा। विरोधियों को लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा।

**सिंह**
प्रणय प्रसंग के लिए आज का दिन अनुकूल है। फिर भी गुस्से पर संयम रखें। पेट से संबंधित रोगों से कोई कष्ट हो सकता है। दोपहर के बाद परिवार में आनंद और उल्लास का वातावरण रहेगा।

**कन्या**
आज शारीरिक ताजगी का आपमें अभाव रहेगा। किसी बात की चिंता से काम में मन नहीं लगेगा। धनहानि होने की आशंका है।

**तुला**
नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। प्रिय व्यक्ति के साथ हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी।

**वृश्चिक**
निर्धारित काम न होने के कारण हताशा का अनुभव होगा। किसी भी महत्वपूर्ण काम का डिसीजन आज ना लें। पारिवारिक वातावरण में क्लेश रहेगा।

**धनु**
आज का दिन आप के लिए शुभ फलदायी है। आज भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक रूप से आपको फायदा होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित बने रहेंगे।

**मकर**
कोर्ट कचहरी के मामलों से आज दूर रहें। मन में किसी बात को लेकर आज चिंता रह सकती है। आपके नकारात्मक विचार काम पर सीधा प्रभाव डालेंगे।

**कुंभ**
आज के दिन की शुरुआत लाभदायी है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे। किसी नए व्यक्ति से रिश्ता बन सकता है।

**मीन**
आपके विचारों में आज दृढ़ता अधिक नहीं होगी। व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं।

म.